



इस तरह भरें सम्बन्धों में मिठास...!!

मनुष्यों का साथ में रहना ही परस्पर सुखद व्यवहार, प्रेम का वातावरण, अपनापन, हमारे जीवन की इस यात्रा को बहुत आनंदित कर देते हैं। आज हम चर्चा करेंगे कि कैसे सम्बन्धों में मिठास भरें, और कहाँ गड़बड़ हो रही है। अगर हमें उस गलती का आभास हो जाये जो सम्बन्धों में हो रही है तो हम उसको ठीक करके जल्दी ही इस जीवन यात्रा का परमआनंद प्राप्त कर सकते हैं।

जब हम साधनाओं के मार्ग में भी आते हैं सब जानते हैं अगर परस्पर टकराव हो तो मन भटकता है, एकाग्रता होती नहीं। इसलिए बहुत अच्छे सम्मान की आवश्यकता होती है। देखिये पिछले 10-12 सालों से एक विशेष समस्या हमारे देश में भी, परिवारों में भी उभर गयी है। आप सभी उससे परिचित होंगे और वो है तलाक। हमारी जो एज्युकेशन है इसने मनुष्य को विनम्र नहीं बनाया, बल्कि अहम् को बढ़ा दिया है। इस अहम् के कारण ही सम्बन्धों में बहुत कड़वाहट होती जा रही है। कोई भी झुकने को तैयार नहीं है लेकिन हम सबको याद रखना है कि जो झुकने वही महान है। अकड़कर रहना किसकी पहचान है? मुर्दे की। उस मनुष्य का जीवन भी कुछ ऐसा ही हो जाता है, जो इस अहम्पन की जकड़ से टाइट रहते हैं। बिल्कुल अकड़े रहते हैं। आज इस पर हम प्रकाश डालेंगे ...

अपने मन में हो बदलने की दृढ़ इच्छा

आज मनुष्य के मन में दूसरों से कामनायें बहुत हो गयी हैं। कामनायें बढ़ती जा रही हैं। देने की भावना कम और लेने की भावना ज़्यादा है। एक और बात, संसार में बहुत कम लोग हैं जो अपनी गलती को स्वीकार करके, उसे पहचान के, उसे बदलने का सोचते हैं। अधिकतर लोगों की अंगुली दूसरी ओर रहती है- ये दोषी हैं, ये सुधर जायें तो हमारे घर में सुख-शांति आ जायें। कई तो ऐसा भी कह देते हैं कि ये कभी भी नहीं सुधरेगा। सुधारना भी चाहते हैं और साथ में वरदान भी दे देते हैं, ये कभी नहीं सुधरेंगे! तो हमें अपने को बदलने के लिए मन में दृढ़ इच्छा पैदा करनी है। पहले हमें खुद को बदलना है। जिसको महान

बनना है, जिसको सम्बन्धों में मधुरता लानी है और जो अध्यात्म के मार्ग में चल रहे हैं, जिन्हें परफेक्शन की ओर चलना है, जो अपने किसी महान लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। एक स्लोगन है ना कि स्वयं को बदलेंगे तो संसार बदल जायेगा। हम सबके लिए साधना के क्षेत्र में बाबा ने एक बहुत अच्छा सूत्र दिया है कि जो स्व परिवर्तन करते हैं विजय माला तो उनके ही गले में पड़ती है। हमें अपने को बदलना है। उदाहरण के तौर पर बताता हूँ एक पति-पत्नी का झगड़ा होता है। दोनों की अंगुली एक-दूसरे की ओर है। वो कहता है तुम्हारी गलती और दूसरा कहता है तुम्हारी गलती। जब तक एक झुककर अपनी गलती स्वीकार न करे तब तक समस्या का समाधान नहीं होगा। संसार में जिस भी परिवार में स्त्री-पुरुष के झगड़े हैं या नयी शादी हुई, चल ही नहीं रही है। ये परिवारों में बहुत बड़ी समस्या हो गयी है। एक-दो साल में ही तलाक हो रहे हैं। तनाव बढ़ता जा रहा है। इस कारण बहुतों को नींद नहीं आती है। बहुत लोग डिप्रेशन के शिकार होते जा रहे हैं।

मैं एक और प्रैक्टिकल उदाहरण देता हूँ। एक कपल मेरे पास आया। जिनकी आयु 40-42 साल की होगी। बैठते ही मुझे कहा- भाई जी हम दोनों बहुत लड़ते हैं। मैंने पूछा आप क्या करते हैं दोनों? कहा हम दोनों लेक्चरर हैं। क्वालिफिकेशन में दोनों ने एम.ए. एम फिल किया है। पी.एच.डी. करने वाले हैं। मैंने पूछा दोनों से अच्छा सच-सच बताओ- तुम दोनों में बुद्धिमान कौन है? दोनों एक-दूसरे को देखने लगे। दोनों ही तो बराबर पढ़े लिखे हैं। दोनों बुद्धिमान हैं। मैंने कहा चलो मैं आपके चुप रहने से समझ गया दोनों ही बुद्धिमान हो। मैंने दूसरा प्रश्न किया कि दोनों में समझदार कौन है? बहन ने उत्तर दिया तुरन्त कि मैं समझदार हूँ। मैंने ये नहीं कहा कि भाई नहीं है, मैंने आगे फिर कुछ नहीं पूछा। मैंने इतना ही कहा कि जो समझदार है उसे झुककर चलना चाहिए। तब आपका झगड़ा समाप्त। हम छोटी-छोटी बातों में बहस करने लगते हैं, बिगड़ जाते हैं, सम्बन्ध विषैले हो जाते हैं। जाने नहीं क्या-क्या बोल देते हैं। कई लोग तो ऐसा बोल देते हैं कि भूल ही नहीं पाते जीवन भर। तो बहुत अच्छा सूत्र सभी सामने रखेंगे। मैं सही हूँ इस विचार को थोड़ा-सा हटाना है। राइट आप हो सकते हैं पर

उस टाइम थोड़ा-सा हल्का कर देना चाहिए। छोड़ देना चाहिए अपने विचार को। जब हम हल्के होंगे, जब हम अपने को रियलाइज करेंगे तो दूसरा व्यक्ति भी रियलाइज करेगा। तब संघर्ष खत्म। ये बात ठीक है ना! अब हम सबको अपने में कुछ न कुछ परिवर्तन लाना है, तैयार हैं सभी? जो बदलें वो महान बनें।

कमजोरी को विशेषता में बदल दें

आपको मैं एक वैज्ञानिक की सच्ची घटना सुनाता हूँ। जिसको सुनकर सभी ये सोचेंगे कि हमें अपने बच्चों से कैसा व्यवहार करना चाहिए। थॉमस एडिसन की कहानी शायद आप लोगों ने सुनी भी होगी लेकिन फिर भी सुना देता हूँ। उसकी कहानी है, जब वो स्कूल में पढ़ता था तो स्कूल की टीचर की ओर से माँ को एक लेटर आया। लेटर में क्या लिखा था उसे लास्ट में बताया जायेगा। बच्चे ने देख लिया और पूछा माँ मैडम ने क्या लिखा है? कहाँ बेटा इसमें लिखा है तुम्हारा बच्चा बहुत जिनियस है, बहुत बुद्धिमान है इसलिए हम उसको नहीं पढ़ा सकते। तो तब उस माँ ने कहा कि तुम्हें मैं ही पढ़ाऊँगी। उसने उसको पढ़ाया और वो बहुत प्रसिद्ध वैज्ञानिक बना। माँ की मृत्यु हो गई तो उसके बाद वो सब सामान देख रहा था जिसमें उसे वो पत्र भी मिला। जिसमें उसकी टीचर ने उसकी माँ को लिखा था कि तुम्हारा बच्चा बहुत ही बुद्धिहीन है, इसको हम नहीं पढ़ा सकते। उसके पास बहुत कम बुद्धि थी। लेकिन उसकी माँ ने उसे कहा कि तुम बहुत बुद्धिमान हो मैं ही तुम्हें पढ़ाऊँगी। संसार में तुम्हें कोई नहीं पढ़ा सकता। देखो कैसे बात को सकारात्मकता में बदल दिया। जिन्होंने बल्ब बनाया, उसके बाद वो एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक बने। बहुत बार अस्पल भी हुए लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आखिर उनकी ही रिसर्च से आज संसार जगमगा रहा है। यदि वो निराश होके, हार मान के छोड़ देते तो शायद हम इतनी जगमगाहट नहीं देख पाते। तो सम्बन्धों में मिठास के लिए हमें एक-दूसरे के प्रति अपने इगो को थोड़ी देर के लिए हल्का कर देना ही समझदारी है। और दूसरे को आगे बढ़ाने के लिए उसे कमजोरी का एहसास न कराते हुए उसी कमजोरी को विशेषता में बदलने का तरीका अपनाना चाहिए। जिस तरह से उस माँ ने किया।



तखतपुर-छ.ग.। बेलपान मेले में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित 'आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन विधायक श्रीमति रश्मि सिंह, कांग्रेस प्रदेश सचिव अध्यक्ष आशीष सिंह, सरपंच गरीबो यादव, ब्र.कु. ममता बहन तथा ब्र.कु. निकिता बहन ने किया। इस मौके पर संतोष कौशिक, घनश्याम जांगड़े, विमला जांगड़े, अमृता सुरेंद्र जांगड़े सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।



इंदौर-म.प्र.। वर्ल्ड बुक ऑफ रेकॉर्ड्स लंदन द्वारा इंदौर के जे.डब्ल्यू. मैरियट होटल में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह' में ब्रह्माकुमारीज के राजयोगी ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके को राजयोग के प्रचार-प्रसार के लिए विली जेडलर, चैयरमैन, लुडेक्स इंटरनेशनल, स्वीटजरलैंड तथा पूनम जेडलर ने 'ऑनर सर्टिफिकेट और मोमेंटो' देकर सम्मानित किया।



सिवनी-भैरोगंज(म.प्र.)। 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के तहत अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए डॉ. नीलिमा बबेल, नेत्र विशेषज्ञ, गीता शर्मा, विश्व हिन्दू परिषद् मातृशक्ति जिला संयोजिका, बहन रीता उदे, राजयोगिनी ब्र.कु. ज्योति दीदी, जिला संचालिका, ब्रह्माकुमारीज तथा अन्य।



छतरपुर-विश्वनाथ कॉलोनी(म.प्र.)। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ब्रह्माकुमारीज द्वारा ग्राम थरा गवर्नमेंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. भारती बहन, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर कीर्ति चौरसिया, ब्र.कु. नम्रता बहन, ट्यूटर प्रीतम प्रजापति, अशोक कुमार शर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुधा शर्मा, सुशीला शर्मा, मंजू शर्मा, सुपरवाइजर संगीता शर्मा सहित गवर्नमेंट स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।



संधवा-म.प्र.। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन करते हुए जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. छाया बहन, ब्र.कु. साधना बहन, माध्यमिक विद्यालय मालवन के प्रधान पाठक राजाराम चौबे, माध्यमिक विद्यालय की प्रधान पाठिका वर्षा पाटील, ब्रह्माकुमारीज शिक्षा प्रभाग के जोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. प्रवीण भाई।



खजुराहो-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज के मंजू नगर कॉलोनी स्थित सेवाकेन्द्र द्वारा जामा मस्जिद में ईद के मौके पर मुबारकबाद एवं ईश्वरीय संदेश दिया गया। इस मौके पर ब्र.कु. नीरजा बहन, मुस्लिम समाज के अध्यक्ष रमजान भाई तथा अन्य गणमान्य मुस्लिम भाई उपस्थित रहे।



कामठी-तारसा(महा.)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत तारसा गांव में 'आत्मनिर्भर किसान स्वर्णिम भारत की पहचान' अभियान के समापन समारोह में कृषि एवं पशु संवर्धन सभापति जिला परिषद नागपुर के तापेश्वर वैद्य, उन्नत किसान एवं कृषि साईटिस्ट भालचंद्र ठाकुर, विधायक देवराव रडके, जिला परिषद सदस्य शालिनी देशमुख, सरपंच आनंदराव लेंडे, पूर्व उपसभापति विमल साबले, श्रीराम ठाकुर, पूर्व सभापति सेवक उडके, नागेश भाई, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता दीदी, अभियान प्रमुख ब्र.कु. शोला बहन व अन्य गणमान्य अतिथियों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



बडोदरा-मंगलवाड़ी(गुज.)। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 'सड़क सुरक्षा मोटरसाइकिल यात्रा' के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में बाइकर्स को सर्टिफिकेट देते हुए ब्र.कु. सुरेश भाई, ट्रान्सपोर्ट विंग कोऑर्डिनेटर, मा.आबू, ब्र.कु. कविता बहन, मुम्बई, जितु भाई सुखडिया, ब्र.कु. राज दीदी, ब्र.कु. अरुणा दीदी तथा अन्य भाई-बहनें।



कटनी-सिविल लाइन(म.प्र.)। आजादी के अमृत महोत्सव एवं किसान सशक्तिकरण अभियान के तहत ब्रह्माकुमारीज के झिंझरी सेवाकेन्द्र से निकाली गई 'पेड़ बचाओ रैली' में महिला थाना प्रभारी श्रीमति मंजू शर्मा, यातायात थाना प्रभारी विनोद शुक्ला, अधिवक्ता अध्यक्ष अमित शुक्ला तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।



केशोद-गुज.। 'मेरा भारत स्वस्थ भारत' अभियान के अंतर्गत आयोजित 'सम्पूर्ण स्वास्थ्य शिविर' के उद्घाटन कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. डॉ. जमिला बहन, मा.आबू, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रूपा बहन, डॉ. प्रेमांग धनेशा, डॉ. युवराज भाई, ब्र.कु. जीतू भाई, ब्र.कु. शशिकांत भाई, ब्र.कु. बालू भाई एवं ब्र.कु. गीता बहन।